

04 अप्रैल 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध:

1. हमला करें या रोकें: इज़राइल के हमलों ने ईरान को रणनीतिक दुविधा में डाला

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

अर्थव्यवस्था:

1. अध्ययन में कहा गया है कि परमाणु ऊर्जा विकास की कुंजी है:

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

**E. संपादकीय:**

**सामाजिक न्याय:**

1. भारत में लिविंग विल्स (Living wills) के कार्यान्वयन में देरी:

**F. प्रीलिम्स तथ्य:**

1. भारत ने झींगा हैचरी में अपमानजनक स्थितियों पर रिपोर्ट को खारिज कर दिया:
2. चंद्रमा के चारों ओर दूरबीन लगाने पर विचार कर रहे देशों में भारत भी शामिल:
3. यूएनएचआरसी इजराइल पर हथियार प्रतिबंध के आह्वान पर चर्चा करेगा:
4. सर्वोच्च न्यायालय चुनाव से पहले सभी ईवीएम की गिनती सत्यापित करने की याचिका सूचीबद्ध करेगा:

**G. महत्वपूर्ण तथ्य:**

**आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।**

**H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**

**I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**

**सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:**

**हमला करें या रोकें: इजराइल के हमलों ने ईरान को रणनीतिक दुविधा में डाला:**

### अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से सम्बंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।

### मुख्य परीक्षा: ईरान-इजरायल संबंध।

#### संदर्भ:

- ईरानी ठिकानों पर इजराइल के हालिया हमलों ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है।
- इजराइल के रक्षा मंत्री कथित खतरों के खिलाफ सक्रिय उपायों पर जोर दे रहे हैं।
- इस वृद्धि में सीरिया और लेबनान में ईरानी सुविधाओं पर हमले शामिल हैं।

#### समस्याएँ:

- इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता संघर्ष, हाल के हमलों से और भी बदतर हो गया है।
- इस क्षेत्र में ईरान को प्राथमिक शत्रु मानने वाली इजरायली धारणा।
- नागरिक हताहतों और इजरायली कार्रवाई के मानवीय प्रभाव पर अंतर्राष्ट्रीय चिंता।
- इजराइल और अमेरिका के बीच राजनयिक संबंधों में बढ़ती बेचैनी।

#### महत्व:

- इजरायल का लक्ष्य ईरानी प्रभाव को निशाना बनाते हुए हमास की सैन्य क्षमताओं को कम करना है।
- नेतन्याहू की सरकार को घरेलू दबाव का सामना करना पड़ रहा है, जो संभावित रूप से उसकी क्षेत्रीय रणनीति को प्रभावित कर रहा है।
- ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हालिया हमला छाया युद्ध (shadow war) में उल्लेखनीय वृद्धि का संकेत देता है।

- (छाया युद्ध सशस्त्र संघर्ष का एक रूप है, जो युद्ध और शांति के बीच गुप्त रूप से आयोजित किया जाता है, जहां विभिन्न देश/नेता अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न तरीकों का उपयोग करते हैं।)

**समाधान:**

- इजराइल हमस और ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की दोहरी रणनीति अपनाता है।
- ईरान को इजरायली हमलों का जवाब देने और खुले संघर्ष से बचने के बीच दुविधा का सामना करना पड़ रहा है।
- तनाव कम करने और आगे की हिंसा को रोकने के लिए कूटनीतिक प्रयासों की आवश्यकता है।

**सारांश:**

- चल रहे संघर्ष से व्यापक क्षेत्रीय अस्थिरता का खतरा पैदा हो गया है। इजराइल की कार्रवाई ईरान के प्रभाव का मुकाबला करने के दृढ़ संकल्प का संकेत देती है। ईरान प्रतिरोध बनाए रखने और खुले टकराव से बचने के बीच संतुलन बनाता है।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

अध्ययन में कहा गया है कि परमाणु ऊर्जा विकास की कुंजी है:

अर्थव्यवस्था:

विषय: बुनियादी ढांचा और ऊर्जा।

मुख्य परीक्षा: भारत में विकास के लिए परमाणु ऊर्जा कुंजी।

**संदर्भ:**

- भारत के विकास और शुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल करने के लिए परमाणु ऊर्जा को महत्वपूर्ण माना गया है। भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद में शिक्षाविदों द्वारा अध्ययन किया गया।
- भारत के ऊर्जा मिश्रण में परमाणु ऊर्जा का वर्तमान योगदान केवल 1.6% है।

### समस्याएँ:

- भारत के ऊर्जा मिश्रण में परमाणु ऊर्जा का कम योगदान।
- महत्वपूर्ण निवेश और परमाणु बुनियादी ढांचे के विस्तार की आवश्यकता।
- ऊर्जा उत्पादन के लिए जीवाश्म ईंधन, विशेषकर कोयले पर निर्भरता।
- अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध के कारण यूरेनियम उपलब्धता से संबंधित चुनौतियाँ।

### महत्व:

- भारत का लक्ष्य 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनना और 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल करना है।
- इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए परमाणु ऊर्जा को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है।
- ऊर्जा आवश्यकताओं और उत्सर्जन में कमी के मार्गों का अनुमान लगाने के लिए गणितीय मॉडल का उपयोग किया जाता है।
- सर्वोत्तम स्थिति में 2050 तक भारत की ऊर्जा में परमाणु ऊर्जा का योगदान 30% होगा।

### समाधान:

- परमाणु ऊर्जा अवसंरचना में निवेश दोगुना करना।
- अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के माध्यम से यूरेनियम की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण का समर्थन करने के लिए लचीली ग्रिड अवसंरचना और भंडारण का निर्माण।
- प्राथमिक ऊर्जा स्रोत के रूप में कोयले से दूर जाना।
- शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए विविध ऊर्जा मिश्रण की आवश्यकता।

**सारांश:**

- शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए कोई एकल समाधान नहीं है। कई ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का सह-अस्तित्व आवश्यक है। ऊर्जा परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय निवेश की आवश्यकता है। परमाणु ऊर्जा भारत के विकास और स्थिरता लक्ष्यों के लिए महत्वपूर्ण है।

**संपादकीय-द हिन्दू**

**संपादकीय:**

**भारत में लिविंग विल्स (Living wills) के कार्यान्वयन में देरी:**

**सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:**

**सामाजिक न्याय:**

**विषय: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।**

**मुख्य परीक्षा: भारत में लिविंग विल्स से सम्बन्धित मुद्दे।**

**संदर्भ:**

- लिविंग विल, जो अंतिम रूप से बीमार रोगियों को उपचार रोकने या वापस लेने की अनुमति देता है, 2018 से भारत में वैध है।
- सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बावजूद, प्रक्रिया का कार्यान्वयन सीमित है।
- नौकरशाही प्रक्रियाओं और राज्य सरकारों से मार्गदर्शन की कमी में चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

**समस्याएँ:**

- सर्वोच्च न्यायालय (Supreme Court) द्वारा शुरू में बनाई गई प्रक्रिया की जटिलता ने लिविंग विल को व्यापक रूप से अपनाने में बाधा उत्पन्न की।

- लिविंग विल्स के लिए नामित संरक्षकों की कमी और डिजिटल प्रमाणीकरण के लिए प्रोटोकॉल का अभाव।
- मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रमाणीकरण की आवश्यकता रोगियों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए अतिरिक्त बाधाएँ पैदा करती है।

#### महत्व:

- गरिमा के साथ मरने का अधिकार व्यक्तिगत स्वायत्तता और स्वास्थ्य देखभाल निर्णय लेने का एक बुनियादी पहलू है।
- लिविंग विल्स के अपर्याप्त कार्यान्वयन से स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के बीच अनिश्चितता और कानूनी चिंताएँ पैदा होती हैं।
- सर्वोच्च न्यायालय (Supreme Court judgment) के फैसले को लागू करने के लिए बुनियादी कदम उठाने में विफलता रोगी के अधिकारों और गरिमा को कमजोर करती है।

#### समाधान:

- नौकरशाही बाधाओं को दूर करते हुए लिविंग विल्स के निष्पादन और प्रमाणीकरण के लिए प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करें।
- उचित प्रबंधन और पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय सरकार के स्तर पर जीवित वसीयत के लिए संरक्षक नामित करें।
- उपचार वापस लेने या रोकने के संबंध में निर्णय लेने की सुविधा के लिए मेडिकल बोर्ड के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश और प्रोटोकॉल विकसित करें।
- केंद्र सरकार राज्य सरकारों को प्रभावी कार्यान्वयन में मार्गदर्शन करने के लिए मॉडल आदेश और प्रोटोकॉल प्रदान कर सकती है।

**सारांश:**

- रोगी की स्वायत्तता और गरिमा को बनाए रखने के लिए जीवित वसीयत का प्रभावी कार्यान्वयन आवश्यक है। सरकारों द्वारा कार्रवाई की कमी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए अनिश्चितता और कानूनी बाधाओं को बढ़ाती है।

**प्रोलिम्स तथ्य:****1. भारत ने झींगा हैचरी में अपमानजनक स्थितियों पर रिपोर्ट को खारिज कर दिया:****संदर्भ:**

- भारत को अपनी झींगा हैचरियों में मानवाधिकारों और पर्यावरण के दुरुपयोग के आरोपों का सामना करना पड़ता है।
- शिकागो स्थित मानवाधिकार समूह द्वारा लगाए गए आरोपों का भारतीय अधिकारियों द्वारा खंडन।
- चिंताओं को दूर करने और भारत के जलीय कृषि क्षेत्र की प्रतिष्ठा की रक्षा के उपाय।

**समस्याएँ:**

- झींगा हैचरियों, ग्रोविंग पोंड्स और पीलिंग शेड्स में शोषणकारी कामकाजी परिस्थितियों और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के आरोप।
- एक प्रमुख झींगा निर्यातक के रूप में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा पर प्रभाव, विशेष रूप से अमेरिकी बाजार में।
- झींगा पालन क्षेत्र में महिलाओं के एक बड़े अनुपात सहित एक महत्वपूर्ण कार्यबल की भागीदारी।

**महत्व:**

- भारत का समुद्री भोजन निर्यात, मुख्य रूप से झींगा, इसकी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जो 2022-23 में 8.09 बिलियन डॉलर है।



- अमेरिका को झींगा निर्यात में काफी वृद्धि हुई है, जिसमें भारत ने एक महत्वपूर्ण बाजार हिस्सेदारी पर कब्जा कर लिया है।
- आरोपों से भारत की प्रतिष्ठा धूमिल होने का खतरा है और संभावित रूप से इसके निर्यात राजस्व और कार्यबल पर असर पड़ सकता है।

## 2. चंद्रमा के चारों ओर दूरबीन लगाने पर विचार कर रहे देशों में भारत भी शामिल:

### संदर्भ:

- खगोलशास्त्री खगोलीय प्रेक्षणों को बढ़ाने के लिए चंद्रमा पर और उसके आसपास दूरबीनें तैनात करने पर विचार कर रहे हैं।
- प्रस्ताव का उद्देश्य ब्रह्मांड के स्पष्ट अवलोकन के लिए चंद्रमा के प्राचीन, वायुहीन वातावरण का लाभ उठाना है।

### समस्याएँ:

- वायुमंडलीय हस्तक्षेप और रेडियो ध्वनि प्रदूषण के कारण स्थलीय दूरबीनों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ।
- चंद्रमा का सुदूर का भाग ऑप्टिकल और रेडियो दूरबीनों के लिए आदर्श स्थितियाँ प्रदान करता है, जो उन्हें स्थलीय हस्तक्षेप से बचाता है।
- अंधेरे युग और ब्रह्मांडीय माइक्रोवेव पृष्ठभूमि सहित ब्रह्मांड के शुरुआती युगों का अध्ययन करने की खोज करना।

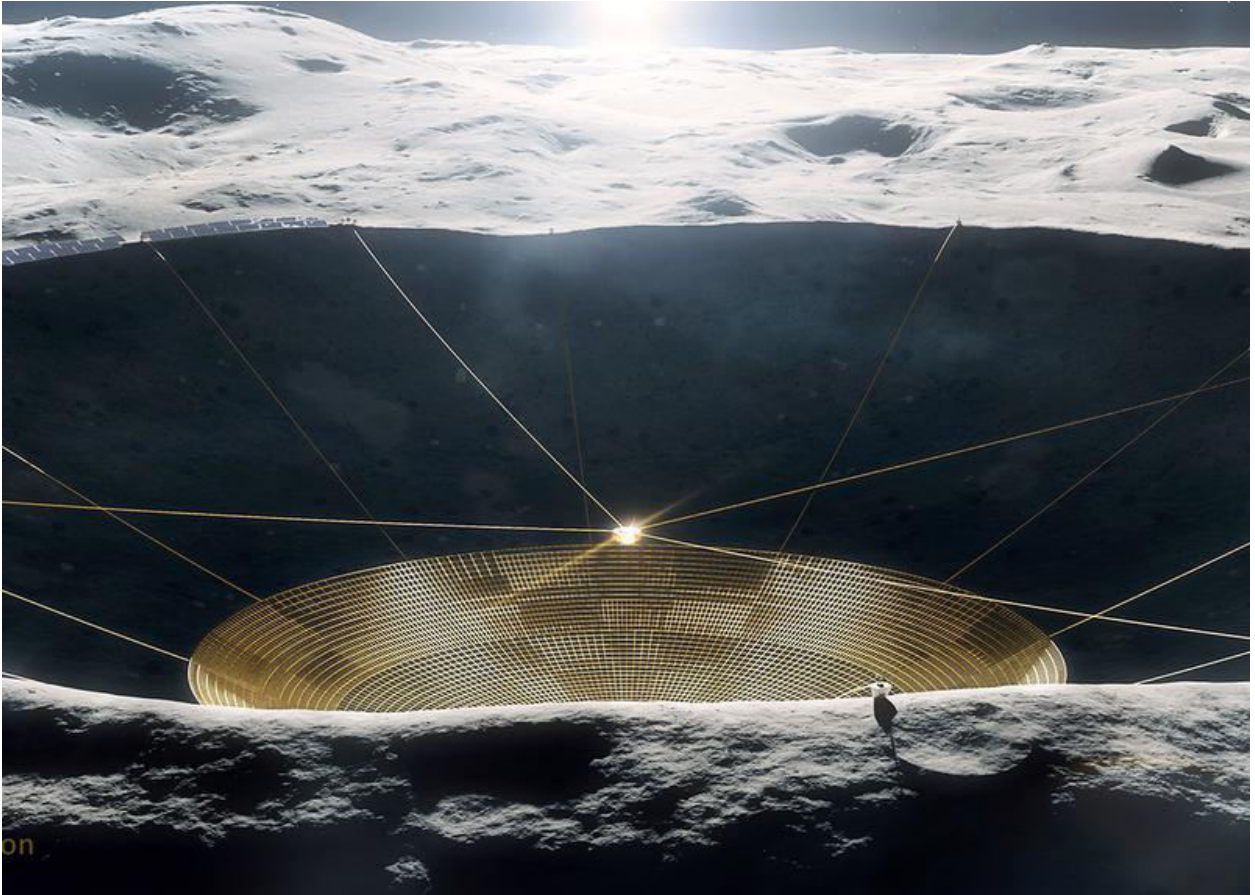
### महत्व:

- ब्रह्मांडीय विकास और ब्रह्मांड के मूलभूत पहलुओं को समझने में संभावित सफलताएँ।

- चंद्रमा-आधारित दूरबीनें खगोलीय प्रेक्षणों में अभूतपूर्व स्पष्टता और संवेदनशीलता का वादा करती हैं।
- चंद्र दूरबीनों को तैनात करने के अंतर्राष्ट्रीय प्रयास अंतरिक्ष अन्वेषण और वैज्ञानिक अनुसंधान में नई रुचि को दर्शाते हैं।

**समाधान:**

- चंद्रमा के सुदूर वातावरण का दोहन करने के लिए चंद्रमा के दूरवर्ती हिस्से पर ऑप्टिकल और रेडियो दूरबीनों की तैनाती।
- चंद्र दूरबीन मिशन को विकसित करने और लॉन्च करने के लिए अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।
- दूरबीन अवलोकन के लिए चंद्र कक्षा का उपयोग, स्थलीय रेडियो आवृत्ति हस्तक्षेप को कम करना।



**चित्र स्रोत:** The Hindu

**चित्र:** चंद्रमा की सतह गड्ढों से ढकी हुई है और इनमें से एक प्राकृतिक गड्ढा रेडियो टेलीस्कोप डिश के लिए एक सहायक संरचना प्रदान कर सकता है, जैसे नासा लूनर क्रेटर रेडियो टेलीस्कोप शो के लिए यह अवधारणा कला।

### 3. यूएनएचआरसी इजराइल पर हथियार प्रतिबंध के आह्वान पर चर्चा करेगा:

#### संदर्भ:

- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (UN Human Rights Council (UNHRC)) इजराइल पर हथियार प्रतिबंध लगाने के लिए एक मसौदा प्रस्ताव पर चर्चा करेगी। यह प्रस्ताव गाजा में नरसंहार के खतरे और चल रहे संघर्ष पर चिंताओं से प्रेरित है।

### समस्याएँ:

- गाजा के आबादी वाले क्षेत्रों में विस्फोटक हथियारों के कथित उपयोग के कारण इजरायल पर हथियार प्रतिबंध का प्रस्ताव। फिलिस्तीनी क्षेत्र पर इजरायल के कब्जे को समाप्त करने और गाजा पर नाकाबंदी हटाने का आह्वान।
- मानवीय स्थिति पर चिंता और जातीय सफाए और नागरिकों की भुखमरी के आरोप।

### महत्व:

- यदि प्रस्ताव अपनाया जाता है तो पहली बार यूएनएचआरसी गाजा में संघर्ष पर कोई महत्वपूर्ण रुख अपनाएगा।
- यह मानवाधिकारों के उल्लंघन और क्षेत्र में हिंसा में वृद्धि पर अंतर्राष्ट्रीय चिंताओं को दर्शाता है।
- इजरायल से जुड़े राजनयिक संबंधों और हथियारों की बिक्री पर संभावित प्रभाव।

### समाधान:

- इजरायल को सैन्य उपकरणों की बिक्री या हस्तांतरण को रोकने के लिए एक हथियार प्रतिबंध का कार्यान्वयन।
- तत्काल युद्धविराम और संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में प्रयास।
- फिलिस्तीनी शरणार्थियों को सहायता प्रदान करने और मानवीय जरूरतों को पूरा करने के लिए यूएनआरडब्ल्यूए को समर्थन।
- निपटान विस्तार को रोकने और अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने के लिए इजराइल पर राजनयिक दबाव।

4. सर्वोच्च न्यायालय चुनाव से पहले सभी ईवीएम की गिनती सत्यापित करने की याचिका सूचीबद्ध करेगा:

### संदर्भ:

- सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिकाओं में सभी ईवीएम में वीवीपैट पर्चियों के पूर्ण सत्यापन की मांग की गई है।
- वर्तमान प्रथा में प्रति विधानसभा क्षेत्र में केवल कुछ ईवीएम में सत्यापन शामिल है।
- सर्वोच्च न्यायालय आगामी लोकसभा चुनाव से पहले याचिकाओं को सूचीबद्ध करने पर सहमत है।

### समस्याएँ:

- चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और अखंडता पर चिंताएँ व्यक्त की गईं।
- याचिकाकर्ता मतदाताओं का विश्वास बहाल करने के लिए सत्यापन बढ़ाने का तर्क देते हैं।
- खरीदे गए वीवीपैट और सत्यापित वीवीपैट की संख्या के बीच विसंगतियाँ।

### महत्व:

- लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कायम रखने के लिए चुनावों में पारदर्शिता और निष्पक्षता महत्वपूर्ण है।
- सुप्रीम कोर्ट के पिछले निर्देश चुनावों में पेपर ट्रेल के महत्व पर जोर देते हैं।
- अनुक्रमिक वीवीपीएटी सत्यापन पर चुनाव आयोग के दिशानिर्देश द्वारा उत्पन्न चुनौतियाँ।

### समाधान:

- प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए एक साथ वीवीपैट सत्यापन पर विचार।
- एक साथ सत्यापन को समायोजित करने के लिए मतगणना के लिए अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती।
- चुनावी पारदर्शिता पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना।

### महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

### UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

**प्रश्न 1. इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

- I. ईवीएम एकल मशीनें हैं जिन्हें काम करने के लिए इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता नहीं होती है।
- II. वीवीपीएटी (वोटर वेरिफाइबल पेपर ऑडिट ट्रेल) पारदर्शिता बढ़ाता है और मतदाताओं को यह सत्यापित करने में सक्षम बनाता है कि उनका वोट ठीक से डाला गया है या नहीं।
- III. नतीजों की घोषणा से पहले सभी वीवीपैट पर्चियों की गिनती की जाती है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

**उत्तर: b**

**प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

कथन-I: प्रशांत रिंग ऑफ फायर एक छोड़े की नाल के आकार का क्षेत्र है जो लगातार भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोटों के लिए जाना जाता है।

कथन-II: पैसिफिक रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में सक्रिय प्लेट टेक्टोनिक हलचलें हैं।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही स्पष्टीकरण है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही स्पष्टीकरण नहीं है
- (c) कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
- (d) कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है



उत्तर: a

**प्रश्न 3. भारतीय रोजगार रिपोर्ट किसके द्वारा प्रकाशित की जाती है?**

- (a) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
- (b) विश्व बैंक
- (c) श्रम ब्यूरो, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार
- (d) अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) और मानव विकास संस्थान (IHD)

उत्तर: d

**प्रश्न 4. भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

कथन 1: भारत का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) केवल पीड़ित या उनके परिजनों द्वारा उसके संज्ञान में लाए गए मानवाधिकार उल्लंघन की जांच कर सकता है।

कथन 2: NHRC का अध्यक्ष केवल भारत का सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश ही हो सकता है।

कथन 3: NHRC केवल संघ सूची के विषयों से संबंधित मानवाधिकार उल्लंघनों की जांच कर सकता है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: d

**प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

कथन-I: यूरैनियम भंडार होने के बावजूद, भारत अपने अधिकांश बिजली उत्पादन के लिए कोयले पर निर्भर है।

कथन-II: बिजली उत्पादन के लिए कम से कम 60% तक समृद्ध यूरैनियम की आवश्यकता होती है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही स्पष्टीकरण है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही स्पष्टीकरण नहीं है
- (c) कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
- (d) कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

उत्तर: d

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

**प्रश्न 1.** व्यापक भू-राजनीतिक संदर्भ पर विचार करते हुए, इजरायली उकसावे के सामने ईरान के रणनीतिक संयम के संभावित परिणामों पर चर्चा कीजिए। 10 अंक 150 शब्द (सामान्य अध्ययन - II, अंतर्राष्ट्रीय संबंध)। (Discuss the potential consequences of Iran's strategic restraint in the face of Israeli provocations, considering the broader geopolitical context. (10 marks, 150 words) [GS-2, International Relations])

**प्रश्न 2.** भारत के 2047 तक एक विकसित देश बनने और 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन प्राप्त करने में परमाणु ऊर्जा की संभावित भूमिका का आकलन कीजिए। 10 अंक 150 शब्द (सामान्य अध्ययन - III, अर्थव्यवस्था) (Assess the potential role of nuclear energy in India's pursuit of becoming a developed country by 2047 and achieving net zero carbon dioxide emissions by 2070. (10 marks, 150 words) [GS-3, Economy])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर **BYJU'S** की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)